Daily Gospel Reflections in Hindi

16 August 2019

मारकुस 8: 22 - 26

JESUS HEALS THE BLIND

अंधे को दृष्टिदान। संपूर्ण बाईबल में एकमात्र यही चमत्कार जिस में प्रभु येसु चंगाई देने के लिए दो बार कार्य करते हैं पहली बार में अंधे को स्पष्ट नहीं दिखाई देता जब कि दूसरे प्रयास में उसे स्पष्ट दिखाई देने लगता है। बाईबल के ज्ञाता इस के बारे में अलग–अलग विचार प्रकट करते हैं। कुछ इसे अंधे व्यक्ति के विश्वास में कमी मानतें हैं या अन्य कारण। प्रभु येसु एक अच्छे वैध की तरह उसे पूछते हैं कि क्या दिखाई दे रहा है और दुबारा स्पर्श कर के अंधे के आखों की अस्पष्टता को दूर कर देते हैं। जिस व्यक्ति ने कभी इंसानों अथवा पेड़ों को नहीं देखा उस ने इंसान की तुलना पेड़ से क्यों की?! जाहिर है कि अंधे का तब तक का अनुभव सिर्फ स्पर्श का था ना कि दृष्टि का। यह साबित करता है कि सही दृष्टि न होने से हम अपने अनुभव को ही सत्य मान ने लगते हैं ऐंसे में पुनः प्रभु के स्पर्श की आवश्यकता होती है। हमारे स्पर्श और अनुभव हमें अधूरे ज्ञान और सच्चाई की ओर ले जा सकते हैं लेकिन प्रभु का स्पर्श हमें वास्तविक ज्ञान देता है। प्रभु चंगा करने के बाद आदेश देते हैं कि दुबारा गाँव मे पैर मत रखना। यह हमारे लिए सुझाव और चेतावनी है कि सत्य को जान कर दुबारा अज्ञान की ओर जाना पहले से कहीं अधिक हानीकारक हो सकता है।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019